

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग П--- लण्ड 3--- उपलण्ड (ii,

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं 77]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 1, 1973/फाल्गुन 10, 1894

No. 77]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 1973/PHALGUNA 10, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 1st March 1973

- S.O. 115(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Exports (Control) Order, 1968, namely:—
 - This Order may be called the Exports (Control) Third Amendment Order, 1973.
 - In Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, entries Nos. 46(ii) and (iii) shall be substituted by the following:—
 - "46(ii) Raw jute, mesta and jute cuttings excluding caddies".
 - "46(iii) Raw silk, pure silk yarn and silk waste".

[No. E(C)O. 1968/AM(93).1

K. S. NARANG,

Chief Controller of Imports and Exports.

वाशिज्य मंत्रालय

ग्रादेश

निर्यात व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 मार्च 1973

एस० ग्रो० 115(ग्र).---ग्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त ग्रधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्यात (नियंत्रण) श्रादेण, 1968 में ग्रीर आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रादेश का निर्माण करती है; भ्रीर श्रयति :--

- 1. इस आदेश को निर्यात (नियंत्रण) तीसरा संशोधन आदेश, 1973 की संज्ञा दी जाए।
- 2. निर्यात (नियंत्रण) म्रादेश, 1968 की भ्रनुसूची । के भाग बी में प्रविष्टि संख्या 46(ii) तथा (iii) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—
 - " 46(ii) कैंडीस को छोड़कर कच्चा पटसन, मैस्ता तथा पटसन की करारनें।" " 46(iii) कच्चा रेशम, विशुद्ध रेशमी रेशे तथा रही रेशम।"

[संख्या ई (सी) श्रो, 1968/ए० एम० (93)]

के० एस० नारंग, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-नियति।